

# शाम ए मौसीकी... अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए



## मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की ओर से शाम ए मौसीकी का आयोजन जनजातीय संग्रहालय में हुआ। इस मौके पर गजल गायक सुनील मुंगी और कव्वाल सलीम झनकार ने गजलें और कव्वालियां पेश कीं। कार्यक्रम में संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत किया। इस मौके पर गजल गायक सुनील मुंगी ने निदा फाजली की गजल-अपना

गम लेके कहीं और न जाया जाए..., कतील शिफाई की गजल - मेरी नजर से न हो दूर..., हसरत मोहानी की नज़म - चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है..., बहादुर शाह जफर की गजल - बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी... और इब्ने इंशा की गजल - कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तिरा... पेश किया। वहीं, ग्वालियर से आए कव्वाल सलीम झनकार ने सूफियाना कव्वालियां पेश कीं। इन्होंने मन कुंतो अली मौला..., बेखुद किए देते हैं अंदाज ए हिजाबाना... पेश किए।

प्रख्यात गजल  
गायक सुनील मुंगी  
एवं कव्वाल सलीम  
झंजकार ने दी प्रस्तुति  
हरिभूमि ज्यूज ►►भोपाल

## मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी में शाम ए मौसिकी



मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा शाम ए मौसिकी कार्यक्रम जनजातीय संग्रहालय, में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत अकादमी की पुष्टगुच्छ से किया। स्वागत पश्चात डॉ. नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. नुसरत मेहदी के उद्घोषन के पश्चात अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गजल गायक सुनील मुंगी ने अपनी मधुर और सहर अंगेज आवाज में गजलों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया।

### मेरी नजर से न हो दूर..

इस मौके पर निदा प्राजली की गजल अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए...., कतील शिफाई की गजल मेरी नजर से न हो दूर...., हसरत मोहानी की चुपके चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है.... ने श्रोताओं को मंत्रमुव्य किया। वही न्वालियर से पथारे ख्यातिलब्ध कव्वाल सलीम झंजकार सूफियाना कव्वालियां पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुव्य कर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन समीना अली द्वारा किया गया।

Published in 12 Feb-2023 print edition of Raj Express

# कवाली की महफिल में खूब लूटी वाहवाही



**भोपाल।** जनजातीय संग्रहालय में शनिवार को शाम ए मौसीकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गजल गायक सुनील मुंगी की शानदार प्रस्तुति से समां बांध गया वहीं मशहूर कवाल सलीम झनकार की कवालियों ने खूब वाहवाही लूटी। दोनों ही कलाकारों की आवाज का जादू ऐसा बिखरा कि लोग अपने आप

को झूमने से नहीं रोक पाए। सलीम कवाल ने बेहतरीन गजल मन कुंतो अली मौला, बेखुद किए देते हैं अंदाज ए हिजाबाना.....की दमदार दी।

मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित शाम ए मौसीकी संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत अकादमी की पुष्पगुच्छ से किया।

**शाम ए मौसीकी कार्यक्रम में सुनील मुंगी की गजल प्रस्तुति ने बांधा समां**

निदा फाजली ने अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए....., कतील शिफाई ने मेरी नजर से न हो दूर....., हसरत मोहानी ने चुपके चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है, बहादुर शाह जफर ने बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी, नासिर काजमी ने दिल में इक लहर सी उठी है अभी...., इब्ने इंशा ने गजल कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तेरा... की खास प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन समीना अली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में उर्दू अकादमी की डॉ. नुसरत मेंहदी ने सभी सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

# पीपुल्स समाचार



Date 12 Feb, 2023 - Newspaper - page11



Image

Text

## ‘चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है’ उर्दू अकादमी की ओर से शाम-ए-मौसिकी का आयोजन

रिपोर्टर • IamBhopal

Mobile no. 8989210501

जनजातीय संग्रहालय में शनिवार को उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसिकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गजल गायक सुनील मुंगी एवं कव्वाल सलीम झनकार ने गजलों और कव्वालियों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर संस्कृति संचालक अदिति कुमार त्रिपाठी एवं उर्दू



अकादमी की संचालक नुसरत मेहदी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में गजल गायक सुनील मुंगी ‘निदा फाजली’ की गजल ‘अपना गम

लेके कहीं और न जाया जाए...’ को सुनाया। इसके बाद ‘कतील शिफाई’ की गजल ‘मेरी नजर से न हो दूर...’ को पढ़ा। हसरत मोहानी की गजल ‘चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है...’ सुनाया। इसी क्रम में ‘बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी...’, ‘दिल में इक लहर सी उठी है अभी...’, ‘कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तिरा...’ गजल की प्रस्तुति दी।

# मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए मौसीकी में प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी एवं ख्यातिलब्ध क़वाल सलीम झनकार ने प्रस्तुत की ग़ज़लें और क़वालियाँ

भोपाल 11 फरवरी (प्रेस नोट)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति विभाग द्वारा शाम ए मौसीकी कार्यक्रम दिनांक : 11 फरवरी 2023 को शाम 6:30 बजे से जनजातीय संग्रहालय, श्वामला हिल्स, भोपाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत अकादमी की पृष्ठग़च्छ से किया। स्वागत पश्चात डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के उद्घाटन पर प्रकाश ढालने हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि हमारा देश विभिन्न संस्कृतियों में निहित विविधताओं के लिए जाना जाता है। यहाँ गीत-संगीत, नृत्य, नाटक-कला, लोक परंपराओं, कला प्रदर्शनों एवं लैखन के क्षेत्रों में एक बहुत अनेक सभावनाएं भौजूद हैं। यह हमारी संस्कृतिक विरासत है। इसका संरक्षण भी ज़रूरी है। संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन एवं उर्दू अकादमी का हमेशा यह प्रयास रहता है कि इस तरह के कार्यक्रमों को बढ़ावा दे। इसी सिलसिले के तहत आज शाम ए मौसीकी कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी एवं ख्यातिलब्ध क़वाल सलीम झनकार ग़ज़लों



और क़वालियों की प्रस्तुति दे रहे हैं। डॉ. नुसरत मेहदी के उद्घाटन के पश्चात अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी ने अपनी मधुर और सहर अंगैज़ आवाज़ में ग़ज़लों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को ज़ुमने पर मज़बूर किया। ज़ात हो कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील आपने संगीत को दर्शिया के माध्यम हस्तियों के साथ यंत्र साज़ा किया है, जिनमें उस्ताद बिंसल ख़ाँ, पंडित जसराज, सोनल मानसिंह, उस्ताद गुलाम अली, अनुप जलोटा और अनुग्रामा पांडवाल जैसे नाम हैं। आप गायन के साथ-साथ संगीत की शिक्षा भी देते हैं। उन्होंने जो ग़ज़लें

फ़ांस, स्विटरजरलैंड, कीनिया, युनाइटेड अरब अमेरित, कृतैत, नेपाल, बांगलादेश, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया आदि नाम शामिल हैं। सुनील मुंगी को ग़ज़ल गायन में महात्म हासिल है। आप लायपी की समझ, मैली आवाज़ और ग़ज़ल को खूबसूरत अदायगी के लिए मशहूर हैं।

प्रस्तुत की थी इस प्रकार है। निदा फ़ाज़ली अपना ग़म लेके कहा और न जाया जाए कतोल शिफाई भेरी नज़र से न हो दूर हसरत मोहामी चुपके रात दिन आँखू बहाना याद है बहादुर शाह ज़फ़र बात करनी मुझे मूर्खल कभी ऐसी तो न थी नासिर काज़मी दिल में इक लाल सी ऊटी है अभी इन्होंने इशा

कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तिर वहाँ ख्यालिय से पधरे ख्यातिलब्ध क़वाल सलीम झनकार सूफियाना क़वालिया पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। ज़ात हो कि सलीम झनकार देश के मशहूर क़वालीं में से एक है जो रिवायती क़वाली गाते हैं। आपका संबंध मध्यप्रदेश के ख्यालियर से है। आपने ख्यातिलब्ध क़वाली एवं शिरकत की है जिसे ईरान सम्बेदी ने दिल्ली में आयोजित किया था। सलीम झनकार देश के सभी बड़े शहरों में क़वाली की प्रस्तुति दे चुके हैं। जिसमें दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बंगलुरु, नागपुर, हैदराबाद, इन्दौर, अजमेर, भोपाल जैसे नाम शामिल हैं। आप दूरदर्शन/आकाशवाणी पर 1990 से लगातार प्रस्तुतियों देते आ रहे हैं। उन्होंने ने जो कलाम पेश किया था इस प्रकार है।

मन कुतो अली मौला बेखुफ़ि किए देते हैं अंदाज़ ए हिजाबाना कार्यक्रम का सफल संचालन समीना अली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी सभी श्रोताओं का आभार ब्यक्त किया।

# अपना गम लेकर कहीं और न जाया जाए घर में बिखरी हुई चीजों को सजाया जाए...

**उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसीकी में गजल गायक सुनील  
मुंगी एवं कवाल सलीम झनकार की प्रस्तुति**

जागरण सिटी रिपोर्टर। जनजातीय संग्रहालय में शनिवार की शाम गजलों और कवालियों से गुलजार हुई। उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसीकी कार्यक्रम में प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी एवं ख्यातिलब्ध कवाल सलीम झनकार ने एक से बढ़कर एक गजलें और कवालियों को सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर संस्कृति संचालक अदिति कुमार त्रिपाठी एवं उर्दू अकादमी की संचालक नुसरत मेहदी विशेष रूप से उपस्थित थी।

## दिल में इक लहर सी उठी है अभी...

गजल गायक सुनील मुंगी ने कार्यक्रम की शुरुआत 'निदा फाजली' की गजल 'अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए...' को सुनाकर किया। इसके बाद 'कतील शिफाई' की गजल 'मेरी नजर से न हो दूर...' को पढ़कर समां बांध दिया। कार्यक्रम की गति को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने हसरत मोहानी की गजल 'चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है...' सुनाकर दर्शकों को



भावविभोर कर दिया। इसी क्रम में 'बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी...', 'दिल में इक लहर सी उठी है अभी...', 'कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तिरा...' गजल की प्रस्तुति दी। इसके बाद बारी थी ग्वालियर से आए कवाल सलीम झनकार सूफियाना कवालियों की। उन्होंने मंच संभालकर कवालियों को पेश किया तो श्रीता झूमने पर मजबूर हो गए। उन्होंने 'मन कुंतो अली मौला...', 'बेखुद किए देते हैं अंदाज ए हिजाबाना...' कवाली सुनाई।

# कव्वाली की महफिल में खूब लूटी वाहवाही

शाम ए मौसीकी कार्यक्रम  
में सुनील मुंगी की गजल  
प्रस्तुति ने बांधा समाँ



भोपाल। जनजातीय संग्रहालय में शनिवार को शाम ए मौसीकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गजल गायक सुनील मुंगी की शानदार प्रस्तुति से समाँ बांध गया वहीं मशहूर कव्वाल सलीम झनकार की कव्वालियों ने खूब वाहवाही लूटी। दोनों ही कलाकारों की आवाज का जादू ऐसा बिखरा कि लोग अपने आप

को झूमने से नहीं रोक पाए। सलीम कव्वाल ने बेहतरीन गजल मन कुंतो अली मौला, बेखुद किए देते हैं अंदाज ए हिजाबाना.....की दमदार दी।

मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित शाम ए मौसीकी संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत अकादमी की पुष्पगुच्छ से किया।

निदा फाजली ने अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए...., कतील शिफाई ने मेरी नजर से न हो दूर....., हसरत मोहानी ने चुपके चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है, बहादुर शाह जफर ने बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी, नासिर काजमी ने दिल में इक लहर सी उठी है अभी..., इन्हे इंशा ने गजल कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तेरा... की खास प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन समीना अली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में उर्दू अकादमी की डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

# MADHYA PRADESH

BHOPAL | SUNDAY | FEBRUARY 12, 2023 [www.freepressjou](http://www.freepressjou)

## GHAZAL, SUFIYANA QAWWALIS UNDER SHAM-E-MAUSIQI

**Works of Nida Fazli, Qateel Shifai, Bahadur Shah Zafar, Ibne Insha presented**

OUR STAFF REPORTER  
[city.bhopal@fpj.co.in](mailto:city.bhopal@fpj.co.in)

Ghazal singer Sunil Mungi presented works of Nida Fazli, Qateel Shifai, Bahadur Shah Zafar, Ibne Insha which delighted the audience at the State Museum in the city on Saturday.

It was part of a concert 'Sham-e-Mausiqi,' organised by Madhya Pradesh Urdu Akademi.

Mungi presented Nida Fazli's 'Apna Gham leke kahin aur na jaya Jaye....,'



Qatil Shifai's 'Meri Nazar se na ho dur...', Hasrat Mohani's 'Chupke-chupke raat -din aansu bahana yaad hai...', Bahadur Shah Zafar's 'Baat karni mujhe mushkil kabhi aisi to na thi...', Nasir Kazmi's 'Dil mein ek lehar si uthi hai abhi...', and Ibn Insha 'Kal chaudhavi ki raat thi shab bhar raha charcha tira...'

which earned huge round of applause from the audience.

Mungi is a disciple of music guru Padma Shri Jitendra Abhishek. He has performed in various concerts across the world like UK, USA, Canada, the Caribbean, The Netherlands, France, Switzerland, Kenya, United Arab Emi-

rates (UAE), Kuwait, Nepal, Bangladesh, Singapore, Australia, etc. He has also shared the stage with great personalities including Ustad Bismillah Khan, Pandit Jasraj, Sonal Mansingh, Ustad Ghulam Ali, Anup Jalota and Anuradha Paudwal.

Besides, Qawwal Salim Jhankar from Gwalior presented Sufiyana Qawwalis which mesmerised the audience. They included 'Mann kunto ali maula...' and 'Bekhud kiye dete hain andaaz-e-hijabana...'. He has participated in the World Qawwali Festival, organised by the Iranian Embassy in Delhi. He has performed Qawwali in all major cities of the country. Sameena Ali conducted the event.

नवदुनिया

भोपाल, रविवार 12 फरवरी, 2023

## धर्म समाज/सिटी लाइव/आसपास

भोपाल

## सुनील की खूबसूरत गजल और सलीम की सूफियाना कव्याली से फिजा में धुली मौसीकी

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसीकी कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश जनजातीय संग्रहालय के सभागार में किया गया, जिसमें प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी एवं कव्याल सलीम झनकार ने प्रस्तुति दी। जनजातीय संग्रहालय के प्राकृतिक बातारण में दोनों फनकारों की सुरीली आवाज ने फिजा में मौसीकी घोल दी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में संचालक संस्कृति अदिति कुमारी त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत किया। इसके बाद उर्दू अकादमी की निदेशक डा. नसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में बताया। उद्घोषन के पश्चात



सभागार में गजल गायक सुनील मुंगी ने गजलों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं की भूमिष्ठ कर दिया। ● सौजन्य- उर्दू अकादमी अंतरराष्ट्रीय छवाति प्राप्त गजल और सहर अंगेज आवाज में गजलों पर मजबूर किया। वाय यंत्रों पर गायक सुनील मुंगी ने अपनी मधुर की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने संगत भी गजब की थी।

चुपके-चुपके रात दिन आसू बहाना याद है...

सुनील ने प्रस्तुति की शुरुआत निदा फ़तेली की गजल अपना गम लेके कहीं और न जाया जाए... से की। इसके बाद कतील शिकाई की मेरी नजर से न हो.हूर... हसरत मोहानी की चुपके-चुपके रात दिन आसू बहाना याद है... बहादुर शाह जफर की बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी... जेस कलाम सुनाए। ज्ञात हो कि सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेंद्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप शायरी की समझ, मीठी आवाज और गजल की खूबसूरत अदायगी के लिए मशहूर हैं। आपने संगीत की दुनिया की महान हासिलियों के साथ मैच साझा कव्याली गाते हैं।

# मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए मौसीकी में प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी एवं ख्यातिलब्ध क़वाल सलीम झनकार ने प्रस्तुत की ग़ज़लें और क़व्वालियाँ

भोपाल 11 फरवरी (प्रेस नोट)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा शाम ए मौसीकी कार्यक्रम दिनांक : 11 फरवरी 2023 को शाम 6:30 बजे से जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में संचालक संस्कृति अधिति कुमार त्रिपाठी ने कलाकारों का स्वागत अकादमी की पुष्टगुच्छ से किया। स्वागत प्रश्नात डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि हमारा देश विभिन्न संस्कृतियों में निहित विविधताओं के लिए जाना जाता है। यहां गीत-संगीत, नृत्य, नाटक-कला, लोक परंपराओं, कला प्रदर्शनों एवं लेखन के क्षेत्रों में एक बहुत अनंत संभावनाएं मौजूद हैं। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इसका संरक्षण भी ज़रूरी है। संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन एवं उर्दू अकादमी का हमेशा यह प्रयास रहता है कि इस तरह के कार्यक्रमों को बढ़ावा दे। इसी सिलसिले के तहत आज शाम ए मौसीकी कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी एवं क़्रायातिलब्ध क़वाल सलीम झनकार ग़ज़लों



और क़व्वालियों की प्रस्तुति दे रहे हैं। डॉ. नुसरत मेहदी के उद्घोषण के पश्चात अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी ने अपनी मधुर और सहर अंगेज़ आवाज़ में ग़ज़लों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया। जात हो कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पदाधीर जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में लगातार प्रस्तुतियाँ दे रहे हैं, जिनमें यू.एस., ए.कॉडा, केरेबियन, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड,

फ्रांस, स्विटजरलैंड, कीनिया, युनाइटेड अरब अमीरात, कुवैत, नेपाल, बांगलादेश, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया आदि नाम शामिल हैं। सुनील मुंगी को ग़ज़ल गायन में महारत हासिल है। आप शायरी की समझ, मीठी आवाज और ग़ज़ल की खूबसूरत अदायगी के लिए मशहूर हैं। आपने संगीत की दुनिया की महान हस्तियों के साथ मच सज्जा किया है, जिनमें उस्ताद विमला खाँ, पंडित जसराज, सोनल मानसिंह, उस्ताद गुलाम अली, अनुप जलोटा और अनुराधा पंडवाल जैसे नाम हैं। आप गायन के साथ-साथ संगीत की शिक्षा भी देते हैं। उन्होंने जो ग़ज़लें

प्रस्तुत कीं वो इस प्रकार हैं।

निदा फाजली

अपना गम लेके कहों और न जाया जाए

कील शिफाई

मेरी नज़र से न हो दूर

हसरत मोहानी

चुपके चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है

बहादुर शाह जफर

बात करनी मुझे मुश्किल कभी ऐसी तो न थी

नासिर काज़मी

दिल में इक लहर सी उठी है अभी

इब्ने इंशा

कल चौदहवीं की रात थी शब भर रहा चर्चा तिरा वही ग्वालियर से पधरे ख्यातिलब्ध क़व्वाल सलीम झनकार सूफियाना क़व्वालियाँ पेश कर श्रोताओं को मनमुग्ध कर दिया। जात हो कि सलीम झनकार देश के मशहूर क़व्वालों में से एक हैं जो रिवायती क़व्वाली गाते हैं। आपका संबंध मध्यप्रदेश के ग्वालियर से है। आपने विश्व क़व्वाली समारोह में शिरकत की है जिसे ईरान एजेंसी ने दिल्ली में आयोजित किया था। सलीम झनकार देश के सभी बड़े शहरों में क़व्वाली की प्रस्तुति दे चुके हैं। जिसमें दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बंगलुरु, नागपुर, हैदराबाद, इंदौर, अजमेर, भोपाल जैसे नाम शामिल हैं। आप दूरदर्शन /आकाशवाणी पर 1990 से लगातार प्रस्तुतियाँ देते आरे हैं। उन्होंने ने जो कलाम पेश किया वो इस प्रकार है।

मन बुंदो अली मीला

बेखुद किए देते हैं अंदाज़ ए हिजावाना

कार्यक्रम का सफल संचालन समीना अली द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

بے ہیں۔ بہت سے لوگ راستے میں آفت ہوئی کروڑ 19 کا لائن اون۔ صاحب شریک رہے۔ مہماں خصوصی نے کوششوں کا تذکرہ بنی کیا۔ اسی طرح خورشید عالم صاحب نے یوں تھے کی

۱۶۰

## ”مدھیہ پرداش اردو اکادمی کے زیر اہتمام شام موسیقی پروگرام میں میں الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار نیشنل منگی اور شہر قوال سلیم جھنکار نے پیش کیں غزلیں اور قوالیاں“

اس پرداش میں انہوں نے اپنی صحور مدھیہ پرداش کے گواہ ارشد سے ہے۔ کن آواز میں جو حکام بیٹھ کیے وہ درج آپ نے عالیٰ قوانی تقریب میں شرکت کی ہے جسے امیرانِ ایمیڈی میں ذیل ہے۔ اپنام لے کے کہیں اور ش جایا جائے دل میں منخفہ کی تھا۔ سلمیم جھنکار ملک کی بیٹھشاد سے پچھے ہیں، جن میں دلی دیکھا جائے۔ اپنام کے سپ کے کرات دن آسوہ بنا لایا ہے۔ ممی، بخاتی، بخکور، تانگی، جیدرا یا، اندور، اہمیر، بھوپال، وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ آپ دور و دش آکا شوونی ۱۹۹۰ پر یونیورسیٹی میں اک لبری ائمی ہے ابھی ناسکو ٹلی کل پیو ہوئی کی رات تھی شب بھر باج چاڑا پیٹھ کے دوڑنے ذیل ہیں۔ من کھٹ مویں قوڑا ملی عالم این انشا یخود کے دیتے ہیں انداز چیانہ، یہیں آپ نے موسیقی کی دنیا کی عظیم یو۔ اے۔ ای، کویت، بیچاول، بگد، ہیتیوں کے ساتھ اسیج شیخ زیارتیا ہے، ہم ویش، سچاپور، آسٹریلیا وغیرہ کے نام میں استاد بسم اللہ خان، پنڈت مشیر قوال سلیم جھنکار نے اپنی حروف ایکیز پروگرام کی تھامست کے شام ہیں۔ نیشنل کو غزل گلوکاری سحران، سوئی مان سکھی، استاد خلام علی، آواز میں تو ایاں پیش کر سامنیں کو وجد فرائش شیعیہ علی نے بخشن خوبی انجام دیتے ہیں۔ آپ شاعری اور پڑھاؤ اور حاضر ہے کہ سلمیم جھنکار میں بہت سارے امکانات ملک مختلف ثقافتوں میں پھر مختلف رہے کہ نیشنل مولیٰ میتھیکی کے معروف رنگوں کے لیے جانا ہے۔ بیان نہیں، استاد پرم شری ایمیڈی کے شاگرد یہیں۔ آپ ۱۹۹۰ سے دیبا کے مختلف موسیقی، رقص، ڈرامہ، فن اور ادب کے میدانوں میں بہت سارے امکانات ملک میں لٹا تارا اپنی بیٹھش دے موجود ہیں۔ یہ تماری ثقافتی و راست رہے ہیں، جن میں یوں اسے، کی بخج، شیریں لیجے اور غزل کی تمام شام ہیں۔ آپ گلوکاری کے ساتھ ملک کے شہر قوالوں میں ایک ہیں جو پروگرام کے آخر ناکثر نصرت مہدی نے تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔



بھوپال اردو اکادمی (پرنس) ہے۔ ملکہ ثقافت، حکومت مدھیہ ریلینز مدھیہ پرداش اردو اکادمی، بھکر پرداش اردو اکادمی پرداش اور مدھیہ پرداش اردو اکادمی پرداش کی بیٹھش رہتی ہے کہ اس طرح ثقافت کے زیر اہتمام ”شام موسیقی“ کا اختتام ۱ فروری 2023 کو شام کے پروگراموں کو پڑھا دے۔ اسی ۳۰:۳۰ بجے فرائیں شیڈ میں، بھوپال ملکے کے تحت آج شام موسیقی پروگرام میں کیا گیا۔ پرداش کی شرکعات میں کا اختقاد کیا گیا ہے جس میں تین ڈائریکٹر میکٹر کری اور تی کار تپاٹی اور مدھیہ پرداش یافتہ غزل گلوکار نیشنل الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار نیشنل موسیقی اور مشیر قوال سلیم جھنکار غزلیں اور قوالیاں پیش کر رہے ہیں۔ ناکثر استقبال کے خلاط کے بعد مشیر غزل مہدیہ کے خلاط کے بعد مشیر غزل شیریں لیجے میں اردو کے قلمی شعر کا نصرت مہدیہ نے پروگرام کے افراش و ادھوڑیں و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ و پوپ کے جیسا کہ آپ سمجھی جانتے ہیں کہ ہمارا کلام بیٹھ کر خوب وہ وہ ای لوئی، و اخچ ملک مختلف ثقافتوں میں پھر مختلف رنگوں کے لیے جانا ہے۔ بیان نہیں، استاد پرم شری ایمیڈی کے شاگرد موسیقی، رقص، ڈرامہ، فن اور ادب کے میدانوں میں بہت سارے امکانات ملک میں لٹا تارا اپنی بیٹھش دے موجود ہیں۔ یہ تماری ثقافتی و راست رہے ہیں، جن میں یوں اسے، کی بخج، شیریں لیجے اور غزل کی تمام شام ہیں۔ آپ گلوکاری کے ساتھ خوبصورت اداگی کے لیے مشہور کیتینہ، کیرتین، یو۔ کے، تیر لینڈ، مہدی نے تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔

# مدھیہ پرڈلش اردو کادمی کے زیراہتمام شام موسیقی پروگرام

بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار سینیل موگی اور مشہور قوال سلیم جہنکار نے پیش کیں گز لیں اور قوالیاں



اپنام لے کے کہن اور نہ جایا جائے  
ند افاضی

چپ کے چپ کے رات دن آنسو بہانا یاد ہے  
حرستِ مہانی

بات کرنی مجھے مشکل کبھی ایسی تو نہی  
بہادر شاہ نظر

دل میں اک اہری انھی ہے ابھی  
ناصر کاظمی

کل چودھویں کی رات تھی شب بھر رہا چڑا

اہن انش

دیں گوایا رست تحریف لائے مشہور قوال سلیم جہنکار نے اپنی محترمی آواز میں قوالیاں پیش کر سامنے کو وجود آفریں کر دیا۔ واضح رہے کہ سلیم جہنکار ملک کے مشہور قوالوں میں ایک ہیں جو رواجی قوالی کرتے ہیں۔ آپ کا اعلان مدھیہ پرڈلش کے گوایا رشتہ سے ہے۔ آپ نے عالمی قوالی تقریب میں شرکت کی ہے جسے ایران ایکٹی نے دلی میں منعقد کیا تھا۔ سلیم جہنکار ملک کے تقریباً ایکجی بڑے شہروں میں قوالی کی پیش وے چکے ہیں، جن میں ولی مہمنی، جھمنی، بنگور، ناگپور، حیدر آباد، اندور، اجmer، بھوپال وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ آپ دور درشن آکا شوانی پر ۰۹۹۱۰۰۹۶۰ سے لگا تاریخی کی پیش وے چکے ہیں۔ انہوں نے جو کام پیش کیے وہ درج ذیل ہیں۔

من کدت مولی فحد اعلیٰ مولی  
جنخود کیے دیتے ہیں انہا زیبیاں  
پروگرام کی نمائمت کے فرائض شمیں بھلی نے بھسن خوبی انجام دیے۔  
پروگرام کے آخر اکٹر نصرت مہدی نے تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔

بھوپال: مدھیہ پرڈلش اردو کادمی، ملکہ ثافت کے زیراہتمام "شام موسیقی" کا انعقاد 11 فروری 2023 کو شام 6:30 بجے ٹریبل شیمال بلس، بھوپال میں کیا گیا۔

پروگرام کی شروعات میں ڈائریکٹر مسٹر مہدی نے فنکاروں کا استقبال کیا۔ استقبال کے بعد ڈائریکٹر مہدی

مہدی نے پروگرام کے اغراض و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ جیسا کہ آپ سمجھ جانتے ہیں کہ ہمارا ملک مختلف ثقفوں میں مضر مختلف رنگوں کے لیے جانا ہے۔ یہاں نغمہ، موسیقی، رقص، ڈرامہ، فن اور ادب کے میدانوں میں بہت سارے امکانات موجود ہیں۔ یہ ہماری ثقافتی وراثت ہے۔ اس کی حفاظت کرنا بھی ضروری ہے۔ ملکہ ثافت، حکومت مدھیہ پرڈلش اور مدھیہ پرڈلش اردو کادمی کی بیانیہ یہ کوشش رہتی ہے کہ اس طرح کے پروگراموں کو بڑھاوا دے۔ اسی سلطے کے تحت آج شام موسیقی پروگرام کا انعقاد کیا گیا ہے جس میں بین الاقوامی

شہرت یافتہ غزل گلوکار سینیل موگی اور مشہور قوال سلیم جہنکار غزلیں اور قوالیاں پیش کر رہے ہیں۔ ڈائریکٹر مہدی کے خطاب کے بعد مشہور غزل گلوکار سینیل موگی نے اپنی مدھر آواز اور شیریں لبھے میں اردو کے قلم شعر اکا کام پیش کر خوب وادو ای اولی۔ واضح رہے کہ سینیل موگی موسیقی کے معروف استاد پدم شری ایم سینیل کے شاگرد ہیں۔ آپ ۰۹۹۱۰۰۹۶۰ سے دنیا کے مختلف ممالک میں لگا تاریخی پیش وے چکے ہیں، جن میں یو ایس اے، کینیڈا، کیریبین، یو کے، نیدر لینڈ، فرانس، سویٹزر لینڈ، کینیڈا، یو اے۔ ای، گویت، نیپال، بھنگر دلش، سنگاپور، آسٹریلیا وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ سینیل موگی کو غزل گلوکاری میں مہارت حاصل ہے۔ آپ شاعری کی بحث، شیریں لبھے اور غزل کی خوبصورت ادائیگی کے لیے مشہور ہیں۔ آپ نے موسیقی کی دنیا کی عظیم ہستیوں کے ساتھ اپنی شیئر کیا ہے، جن میں استاد اسم اللہ خاں، پنڈت جرج راج، سویل مان شاگر، استاد غلام علی، انوب جلوانا اور اتورا دھاپور زوال جیسے نام شامل ہیں۔ آپ گلوکاری کے ساتھ ساتھ موسیقی کی تعلیم بھی دیتے ہیں۔ اس پروگرام میں انہوں نے اپنی مسکوگن آواز میں جو کلام پیش کیے وہ درجن ذیل ہیں۔

اتوار 12 فروری 2023

## ایم پی اردو اکیڈمی کی محفل موسیقی کا انعقاد

# غزل سنگر سینل موگی اور قول سلیم جنگار نے اپنے فن کا جادو بکھیرا



معروف استاد پدم شری امجدیبی کے شاگرد آواز میں جو کلام پیش کیے وہ درج ذیل ہے۔ آپ نے مالی قولی تقریب میں شرکت کی ہے اسے ایران ایکسپریس نے دلی میں منعقد کیا ہے۔ ایسا کام لے کے کہن اور نہ جایا جائے کیا تھا۔ سلیم جنگار ملک کے تقریباً سبی بڑے شہروں میں قولی کی پیش دے کچے ہیں، جن میں دلی میں، جیلمی، بکھرور، ناگپور، حیدرآباد، احمدور، ابجر، بھوپال وغیرہ کے نام بات کرنی مجھے مشکل کبھی الگا تو نہ ہی شاہیں ہیں۔ آپ دور و رشن آکا ہوئی پر ۱۹۹۰ء سے لگا تارقوالی کی پیش دیجئے آرہے ہیں۔ انہوں نے جو کلام پیش کیے وہ درج ذیل ہیں:

من کنت مولیٰ نمدا طلی مولی  
بے خود کیے دیجے ہیں انداز جمباہ  
اسناح اسچ شیر کیا ہے، جن میں استاد پدم  
لندھان، پڈٹھت جرجراج، سوئی مان سکھ،  
 قول سلیم جنگار نے اپنی محترم آزاد میں  
پوگرام کی تھامت کے فرائض عینہ میں  
نے بخوبی انجام دیے۔ پوگرام کے آخر  
ڈاکٹر صرفت مهدی بے نہ قائم شرکاء کا مکر یہاں  
کیا۔

کاظم مصہی پردوش کے شاگرد آواز میں جو کلام پیش کیے وہ درج ذیل ہے۔ آپ ۱۹۹۰ء سے دنیا کے مختلف ممالک میں لگا تارامی پیش دے رہے ہیں، جن میں یا میں اے، کینڈا، کیرینیں، یونیک، نیدر لینڈ، فرانس، سویٹزر لینڈ، کینیا، یو اے ای، کرت، نیپال، بھگد پیش، سنگاپور، آسٹریلیا وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ سینل موگی کو غزل گوکاری میں مہارت حاصل ہے۔ آپ شاعری کی بھج، شیریں لجھ اور غزل کی خوبصورت اداگی کے لیے مشہور ہیں۔ آپ نے موسیقی کی دنیا کی عظیم ستیوں کے ساتھ اسچ شیر کیا ہے، جن میں استاد پدم کیا ہے جس میں میں لاوقاںی فہرست یاد نہ ہے۔ غزل گوکار سینل موگی اور مشہور قول سلیم جنگار غزلیں اور قولیاں پیش کر رہے ہیں، ڈاکٹر مصہی کے خطاب کے بعد مشہور غزل گوکار سینل موگی کے اپنی مدھ آزاد اور شیریں لجھ میں اردو کے عظیم فراہ کا کلام پیش کر خوب داہ داہی لوئی۔

واضح رہے کہ سینل موگی موسیقی کی تعلیم بھی دیتے ہیں۔ آپ اس پوگرام میں انہوں نے اپنی سحر کن میں ایک ہی جو روایتی قولی گائے ہیں۔ آپ

بھوپال، 11 فروری (پرنس ریلین)  
دھمہ پردوش اردو اکادمی، مکر شافت کے ریہ اہتمام "شام موسیقی" کا انعقاد 11 فروری 2023 کو شام 6:30 پجے تا تل ڈیالم ہیں، بھوپال میں کیا گیا۔ پوگرام کی شروعات میں ڈاکٹر یکٹر سکرتی اور میتی کار ترپاشی اور دھمہ پردوش اردو اکادمی کی ڈاکٹر یکٹر ڈاکٹر صرفت مهدی نے فنکاروں کا استقبال کیا۔ استقبال کے بعد ڈاکٹر صرفت مهدی نے پردوش کے افراف و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ جیسا کہ آپ سمجھتے ہیں کہ ہمارا ملک مختلف ثقافتوں میں

لنے، موسیقی، رقص، ڈرام، فن اور ادب کے میدانوں میں بہت سارے امکانات موجود ہیں۔ یہ ہماری ثقافتی و راست ہے۔ اس کی حفاظت کرنا بھی ضروری ہے۔ مکر شافت،

حکومت دھمہ پردوش اور دھمہ پردوش اردو اکادمی کی بھی یہ کوشش رہتی ہے کہ اس طرح

کے پوگراموں کو بڑھا داوے۔ اسی سلسلے کے تحت آج شام موسیقی پوگرام کا انعقاد کیا گیا ہے جس میں میں لاوقاںی فہرست یاد نہ ہے۔

غزل گوکار سینل موگی اور مشہور قول سلیم جنگار

غزلیں اور قولیاں پیش کر رہے ہیں، ڈاکٹر

مھدی کے خطاب کے بعد مشہور غزل گوکار سینل موگی کے اپنی مدھ آزاد اور شیریں لجھ

میں اردو کے عظیم فراہ کا کلام پیش کر خوب داہ داہی لوئی۔

واضح رہے کہ سینل موگی موسیقی کے

# शाम-ए-मौसीकी का आयोजन

भोपाल @ पत्रिका. जनजातीय संग्रहालय में शनिवार को उर्दू अकादमी द्वारा शाम-ए-मौसीकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी एवं नामी कव्वाल सलीम झनकार गजलों और कव्वालियों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर संस्कृति संचालक अदिति कुमार त्रिपाठी एवं उर्दू अकादमी की संचालक डॉ नुसरत मेहदी विशेष रूप से उपस्थित थी। मेहदी ने कार्यक्रम के बारे जानकारी देते हुए कहा कि गीत-संगीत, नृत्य, नाटक-कला, लोक परंपराओं, कला प्रदर्शनों एवं लेखन के क्षेत्रों में एक बहुत अनंत संभावनाएं मौजूद हैं।



# "مدھیہ پر دلش اردو اکادمی کے زیراہتمام شام موسیقی پروگرام آج ٹرائبل میوزیم میں"

الحیات نیوز سروس

بھوپال: مدھیہ

پر دلش اردو اکادمی

چکر شفافت کے زیر

اہتمام "شام موسیقی" کا

انعقاد

1 1 کو

فوری، 2023 کو

شام 6:30 بجے سے

ٹرائبل میوزیم، شیا ملد

بھس، بھوپال میں کیا

**الحیات نیوز سروس**

**بھوپال: مدھیہ**

**پر دلش اردو اکادمی**

**چکر شفافت کے زیر**

**اہتمام "شام موسیقی" کا**

**انعقاد**

**1 1 کو**

**شام 6:30 بجے سے**

**ٹرائبل میوزیم، شیا ملد**

**بھس، بھوپال میں کیا**

جائزے گا۔ مدھیہ پر دلش اردو اکادمی کی وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ سنیل موئیگی کو غزل گلوکاری میں مہارت حاصل ہے۔ آپ شاعری کی کنجھ، شیرس لمحے اور غزل کی خواصورت اداگی کے لیے مشہور ہیں۔ آپ نے موسیقی کی دنیا کی عظیم ہستیوں کے ساتھ ایج شیز کیا ہے، جن میں اتنا، اسم اللہ خال، پندت جسراج، سوئی مان سکھ، اتنا، غلام علی، انوپ جلونا اور انور ادھار پور حوال بیسے نام شامل ہیں۔ آپ گلوکاری کے ساتھ ساتھ موسیقی کی تعلیم بھی دیتے ہیں۔ اور سلیم جھنکار ملک کے مشہور قولوں میں ایک یہیں جور و ایقی قوالی لگاتے ہیں۔ آپ کا تعلق ریاست اور ملک کے فنکاروں کو ایج ملتا رہے اور انہیں اپنی صلاحیتیں دکھانے کا موقع ملتا رہے۔ اسی سلسلے کے تحت سنچری کی شام ٹرائبل میوزیم میں شام موسیقی پروگرام کا انعقاد کیا جا رہا ہے جس میں بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار سنیل موئیگی (یو ایس اے) اور مشہور قول سلیم جھنکار (گوالیار) اردو کے غریبیں اور قولیاں پیش کریں گے۔ واضح رہے کہ بین الاقوامی شہرت یافتہ غزل گلوکار سنیل موئیگی موسیقی کے معروف اتنا دم شری ایکی کے شاگرد ہیں۔ آپ ۱۹۹۰ سے دنیا کے مختلف ممالک میں لا تار اپنی پیشکش دے رہے ہیں، جن میں یو ایس اے، پیشکش کی بنیاد پر، حیدر آباد، اندور، اجیر، بھوپال، ناگپور، حیدر آباد، اندور، اجیر، بھوپال وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ آپ دور درش آکا شوانی پر ۱۹۹۰ء سے لا تار ٹرائبل میں قوالی کی پیشکش دیتے آ رہے ہیں۔ اس پروگرام کی نظمات کے فراض شینڈ علی انجام دیں گی۔ ڈاکٹر نصرت مہدی نے فرائس، سونڈر لیڈنگ، گینیا، یو۔ اے۔ ای، محباں ادب سے پروگرام میں شرکت کی دعویٰ کیے ہیں۔

भोपाल, शनिवार, 11 फरवरी 2023

## ग़ज़लों और क़व्वालियों से सजेगी शाम

भोपाल @ पत्रिका. मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी शनिवार को 'शाम ए मौसीकी' कार्यक्रम का आयोजन करेगी। कार्यक्रम शाम 6:30 बजे से जनजातीय संग्रहालय में आयोजित किया जाएगा। इसमें ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी और क़व्वाल सलीम झनकार ग़ज़लों एवं क़व्वालियों की प्रस्तुति देंगे।

11.02.2023

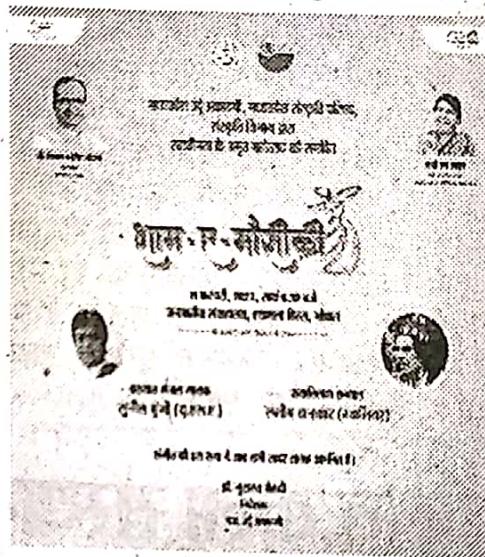
## सांकेतिक समाचार

# मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए मौसीकी आज शाम जनजातीय संग्रहालय, भोपाल में

भोपाल 10 फरवरी (प्रेस नोट)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जैसा

कि आप सभी जानते हैं कि मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी और संस्कृति विभाग साहित्य में ललित कलाओं के महत्व को महसूस करते हुए लगातार ऐसे कार्यक्रम करते आए हैं जिससे प्रदेश एवं देश के विभिन्न कलाकारों को मंच मिलता रहे और उन्हें अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलता रहे। शाम ए मौसीकी उसी सिलसिले की एक

महत्वपूर्ण कड़ी है। इस बार यह कार्यक्रम 11 फरवरी 2023 को जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित है जिसमें में प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी (यू एस ए), सलीम झनकार (ग्वालियर) ग़ज़लों एवं क़व्वालियों की प्रस्तुति देंगे। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में लगातार प्रस्तुतियाँ दे रहे हैं, जिनमें यू. एस. ए., कनाडा, केरेबियन, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, फ्रांस, स्विटरजरलैंड, कीनिया, युनाइटेड अरब अमीरात, कुवैत, नेपाल, बांगलादेश, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया आदि नाम शामिल हैं। सुनील मुंगी को ग़ज़ल गायन में महारत हासिल है। आप शायरी की समझ, मीठी आवाज और ग़ज़ल की खूबसूरत अदायगी के लिए मशहूर हैं। आपने संगीत की दुनिया की महान हस्तियों के साथ मंच साझा किया है, जिनमें उस्ताद बिस्मिल खाँ, पंडित जसराज, सोनल मानसिंह, उस्ताद गुलाम अली, अनूप जलोटा और अनुराधा पोद्वाल जैसे नाम हैं। आप गायन के साथ-साथ संगीत की शिक्षा भी देते हैं। एवं सलीम झनकार देश के मशहूर क़व्वालों में से एक हैं जो रिवायती क़व्वाली गाते हैं। आपका संबंध मध्यप्रदेश के ग्वालियर से है। आपने विश्व क़व्वाली समारोह में शिरकत की है जिसे ईरान एम्बेसी ने दिल्ली में आयोजित किया था। सलीम झनकार देश के सभी बड़े शहरों में क़व्वाली की प्रस्तुति दे चुके हैं। जिसमें दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बंगलुरु, नागपुर, हैदराबाद, इन्दौर, अजमेर, भोपाल जैसे नाम शामिल हैं। आप दूरदर्शन / आकाशवाणी पर 1990 से लगातार प्रस्तुतियाँ देते आ रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन समीना अली द्वारा किया जाएगा। डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी कला प्रेमियों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।



شنبہ 11 فروری 2023

# اردو اکیڈمی کی مخالف غزل و قوالی آج شام

## قال سلیم جنکار اور غزل سنگرنسنیل روگی دیں گے پریس کنٹرکشن

بھوپال، 10 فروری (رپورٹ) موگی موسیقی پر غزل سرا ہونگے جبکہ غزل اور قوالی کے شاکٹین کے لیے مدھیہ پردوش کے گواہیار کے مشہور پردوش اردو اکیڈمی برائے محکمہ شافت قوال سلیم جنکار اپنے فن قوالی کا جادو کے ذیر اہتمام بروز شنبہ گیارہ فروری کو بھیجیں گے۔ اس پروگرام کی شام ساڑھے چھ بجے سے اسٹیکٹ میوزیم نکامت ممتاز ایکٹر محترمہ تمہینہ علی انجام خیال مدد میں بھوپال میں باوقار مخالف دیں گی۔ اردو اکیڈمی کی ڈائریکٹر ڈاکٹر نصرت مہدی نے سبھی محباں ادب سے موسیقی کا انتقاد کیا گیا ہے جسمیں یوں ایس اے کے معروف غزل سنگرنسنیل شرکت کی درخواست کی ہے۔

# दैनिक जागरण

भोपाल, 11 फरवरी 2023

[www.djmp.in/epaper](http://www.djmp.in/epaper)

## जनजातीय संग्रहालय में शाम ए मौसीकी आज

जागरण सिटी रिपोर्टर। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए मौसीकी का आयोजन 11 फरवरी को शाम 6.30 बजे से जनजातीय संग्रहालय में किया जा रहा है। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डा. नुसरत मेहदी ने बताया कि आयोजन में प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी (यू एस ए), सलीम झनकार (ग्वालियर) गजलों एवं कव्वालियों की प्रस्तुति देंगे। सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। सलीम झनकार देश के मशहूर कव्वालों में से एक हैं जो रिवायती कव्वाली गाते हैं।

भोपाल, शनिवार 11 फरवरी, 2023

## जनजातीय संग्रहालय में संगीत संध्या आज

भोपाल। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा "शाम ए मौसीकी" कार्यक्रम का आयोजन शनिवार 11 फरवरी को शाम 6:30 बजे से जनजातीय संग्रहालय में किया जा रहा है। कार्यक्रम में गजलों और कब्वालियों की प्रस्तुति दी जायेगी। अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने बताया कि उर्दू अकादमी द्वारा साहित्य में ललित कलाओं को महत्व देते हुए ऐसे आयोजन किये जाते रहे हैं। जिससे प्रदेश एवं देश के विभिन्न कलाकारों को मंच मिलता रहे और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता रहे। शाम ए मौसीकी उसी सिलसिले की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कार्यक्रम प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी (यू.एस.ए) तथा सलीम झनकार (ख़वालियर) ग़ज़लों एवं क़ब्वालियों की प्रस्तुति देंगे। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में लगातार प्रस्तुतियां दे रहे हैं, जिनमें यू.एस.ए., कनांडा, केरेबियन, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, फ्रांस, स्विटरजरलैंड, कीनिया, युनाइटेड अरब अमीरात, कुवैत, नेपाल, बांगलादेश, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया आदि नाम शामिल हैं। सुनील मुंगी को ग़ज़ल गायन में महारत हासिल है।

# नवांडिनी

भोपाल, शनिवार 11 फरवरी, 2023

## शाम-ए-मौसीकी आज जनजातीय संग्रहालय में

भोपाल( नप्र )। उर्दू अकादमी द्वारा  
शाम-ए-मौसीकी कार्यक्रम शनिवार  
शाम 6:30 बजे से जनजातीय  
संग्रहालय में आयोजित किया  
जाएगा। प्रख्यात गजल गायक सुनील  
मुंगी (यूएसए) और सलीम झनकार  
(गवालियर) गजलों एवं कव्वालियों  
की प्रस्तुति देंगे।

भोपाल, शनिवार, 11 फरवरी 2023 . 22

## मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी

### जनजातीय संग्रहालय में शाम-ए-मौसीकी आज

सिटी रिपोर्टर | मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जनजातीय संग्रहालय में शनिवार को शाम-ए-मौसीकी का आयोजन किया जाएगा। शाम 6.30 बजे से आयोजित शाम-ए-मौसीकी में यूएसए से प्रसिद्ध गजल गायक सुनील मुंशी और ग्वालियर से कवाल सलीम झनकार शामिल होंगे। गौरतलब है कि सुनील मुंशी पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं और 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में गजलों की महफिलों में प्रस्तुति देते आ रहे हैं। वहीं, सलीम झनकार एक रिवायती कवाल हैं। वे ईरान एम्बेसी की ओर से आयोजित विश्व कवाली समारोह का भी हिस्सा बन चुके हैं।

# राज एक्सप्रेस | महानगर

शनिवार, 11 फरवरी, 2023

[www.rajexpress.co](http://www.rajexpress.co)

## शाम ए मौसिकी कार्यक्रम आज होगा

भोपाल। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी सेस्कृति परिषद संस्कृति विभाग द्वारा शाम ए मौसिकी कार्यक्रम शनिवार को शाम 6.30 बजे से जनजातीय संग्रहालय में आयोजित किया जाएगा। मप्र उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि प्रदेश एवं देश के विभिन्न कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने की कड़ी में एक प्रयास है शाम ए मौसिकी। कार्यक्रम में यूएसए के प्रख्यात गजल गायक सुनील मुंगी और गवालियर के सलीम झनकार गजलों और कल्पालियों की प्रस्तुति देंगे।

# مدھیہ پرنسپل اردو اکادمی کے زیراہتمام شام موسیقی پروگرام 11 فروری 2023 میں

مدھیہ پرنسپل اردو اکادمی، محکمہ ثقافت کے زیراہتمام "شام موسیقی" کا انعقاد 11 فروری 2023

کو شام 6:30 بجے سے ٹرائبل میوزیم، شیا ملہ ہلس، بھوپال میں کیا جائے گا۔

جن میں استاد بسم اللہ خاں، پنڈت جسراج، سوئی مان سنگھ، استاد غلام علی، انوپ جلوٹا اور انور ادھا پور حوال جیسے نام شامل ہیں۔ آپ گلوکاری کے ساتھ ساتھ موسیقی کی تعلیم بھی دیتے ہیں۔ اور سلیم جھنکار ملک کے مشہور قوالوں میں ایک ہیں جو رواتی قوالی گاتے ہیں۔ آپ کا تعلق مدھیہ پرنسپل کے گوایاں شہر سے ہے۔ آپ نے عالمی قوالی تقریب میں شرکت کی ہے جسے ایران ایکٹیو نے ولی میں منعقد کیا تھا۔ سلیم جھنکار ملک کے تقریباً بھی بڑے شہروں میں قوالی کی پیشکش دے چکے ہیں، جن میں ولی عجمی، چینی، بنگلور، تانگپور، حیدر آباد، اندور، اجیسر، بھوپال وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ آپ دور و شن آ کا شوانی پر 1990ء سے لگا تاریخی کی پیشکش دیتے آرہے ہیں۔ اس پروگرام کی نظمت کے فرائض شمینہ علی انجام دیں گی۔ ذاکر نصرت مبدی نے محیان ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔



سنیل موگی کو غزل گلوکاری میں مہارت اپنی پیشکش دے رہے ہیں، جن میں سنیل موگی اس سماں شہر میں آپ کی بعد ازاں ہو جیں۔ آپ شاعری کی سمجھ، شیریں یو ایس اے، کینڈا، کیریجین، یو کے، نیدر حاصل ہے۔ آپ شاعری کی سمجھ، شیریں لینڈ، فرانس، سوئزر لینڈ، کینیا، لیجے اور غزل کی خوبصورت اداگی کے لیے مشہور ہیں۔ آپ نے موسیقی کی دنیا کی عظیم ہستیوں کے ساتھ اچھی شیز کیا ہے، سیکاپور، آسٹریا وغیرہ کے نام شامل ہیں۔

ایپی ٹیکسٹ میں ذکر نظر میں آپ کے نام شامل ہیں۔

بھوپال 9 فروری (پرنسپل ریلینز) مدھیہ پرنسپل اردو اکادمی کی ذاکر نیکرڈ اکٹر نصرت مبدی نے پروگرام کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ جیسا کہ آپ سبھی جانتے ہیں کہ مدھیہ پرنسپل اردو اکادمی اور محکمہ ثقافت ادب میں فون طیفی کی اہمیت کو محسوس کرتے ہوئے مسلسل ایسے پروگرام کرتے آئے ہیں جس سے ریاست اور ملک کے فنکاروں کو اسچ ملتا رہے اور انھیں اپنی صلاحیتیں دکھانے کا موقع ملتا رہے۔ اسی سلسلے کے تحت سنچر کی شام ٹرائبل میوزیم میں شام موسیقی پروگرام کا انعقاد کیا جا رہا ہے جس میں میں اقوامی شہرت یافت غزل گلوکار سنیل موگی (یو ایس اے) اور مشہور قول سلیم جھنکار (گوایاں) اردو کے غزلیں اور قوالیاں پیش کریں گے۔ واضح رہے کہ میں اقوامی شہرت یافت غزل گلوکار سنیل موگی موسیقی کے معروف استاد پدم شری ایکٹیو کے شاگرد ہیں۔ آپ ۰۱۹۹۹ سے دنیا کے مختلف ممالک میں لگا تاریخی کیا ہے، آپ نے موسیقی کی دنیا کی

## اکیم پی اردو اکیڈمی کا شام موسیقی پروگرام کل اسٹیٹ میوزیم میں

### گلوکار سینل موکی غزل اور قوال سیم جشنکار قوال پیش کریں گے

بhopال، 9 فروری (پرنسپل) مدھیہ پرنسپل اردو اکادمی کے  
نام شامل ہیں۔ سینل موکی غزل گلوکاری میں چھارٹ حاصل ہے۔  
آپ شاعری کی بحث، شیریں لمحے اور غزل کی خوبصورت اداگی کے  
لیے مشہور ہیں۔ آپ نے موسیقی کی دنیا کی تھیم اسٹیٹ کے ساتھ اٹھ  
شیر کیا ہے، جن میں استاد سلم اللہ خاں، پڑھت حسراج، سویں ان عکے،  
استاد قلام طی، الوب جلوٹا اور انور الدین حابیب حوالی ہیے نام شامل ہیں۔  
آپ گلوکاری کے ساتھ ساحہ موسیقی کی تھیم بھی دیتے ہیں اور سیم جمنکار  
ملک کے مشہور قوالوں میں ایک ہیں جو رواتی قوالی گاتے ہیں۔ آپ کا  
حقیقی مدھیہ پرنسپل کے گواہار شہر سے ہے۔ آپ نے مانی قوالی  
تقریب میں شرکت کی ہے جسے ایران ایکٹی نے دلی میں منعقد کیا  
تھا۔ سیم جمنکار ملک کے تقریباً سبھی بڑے شہروں میں قوالی کی پیشکش  
دے چکے ہیں، جن میں ولی مسی، جیشی، بیکور، ناگپور، حیدر آباد، اندور،  
اجیر، بhopال وغیرہ کے نام شامل ہیں۔ آپ دور درشن آ کا ہوانی پر  
معروف اسٹاد پدم شری ایم جی ہی کے شاگرد ہیں۔ آپ 1990 سے دنیا  
کے مختلف ممالک میں لکھاری ایم جی کی پیشکش دے رہے ہیں، جن میں  
مہماں ادب سے پروگرام میں شرکت کی درخواست کی ہے۔

# मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा शाम ए मौसीकी आज शाम जनजातीय संग्रहालय, भोपाल में

भोपाल 10 फरवरी (प्रेस नोट)। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी और संस्कृति विभाग साहित्य में ललित कलाओं के महत्व को महसूस करते हुए लगातार ऐसे कार्यक्रम करते आए हैं जिससे प्रदेश एवं देश के विभिन्न कलाकारों को मंच मिलता रहे और उन्हें अपनी योग्यता दिखाने का अवसर मिलता रहे। शाम ए मौसीकी उसी सिलसिले की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस बार यह कार्यक्रम 11 फरवरी 2023 को जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित है जिसमें में प्रख्यात ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी (यू.एस.ए), सलीम झनकार (ग्वालियर) ग़ज़लों एवं क़वालियों की प्रस्तुति देंगे। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ग़ज़ल गायक सुनील मुंगी महान संगीत गुरु पद्मश्री जितेन्द्र अभिषेकी के शिष्य हैं। आप 1990 से दुनिया के अलग-अलग देशों में लगातार प्रस्तुतियाँ दे रहे हैं, जिनमें यू.एस.ए., कनाडा, केरेबियन, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, फ्रांस, स्विटरजरलैंड, कीनिया, युनाइटेड अरब अमीरात, कुवैत, नेपाल, बांगलादेश, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया आदि नाम शामिल हैं। सुनील मुंगी को ग़ज़ल गायन में महारत हासिल है। आप शायरी की समझ, मीठी आवाज और ग़ज़ल की खूबसूरत अदायगी के लिए मशहूर हैं। आपने संगीत की दुनिया की महान हस्तियों के साथ मंच साझा किया है, जिनमें उस्ताद बिस्मिल खाँ, पंडित जसराज, सोनल मानसिंह, उस्ताद गुलाम अली, अनूप जलोटा और अनुराधा पोढ़वाल जैसे नाम हैं। आप गायन के साथ-साथ संगीत की शिक्षा भी देते हैं। एवं सलीम झनकार देश के मशहूर क़वालों में से एक हैं जो रिवायती क़वाली गाते हैं। आपका संबंध मध्यप्रदेश के ग्वालियर से है। आपने विश्व क़वाली समारोह में शिरकत की है जिसे ईरान एम्बेसी ने दिल्ली में आयोजित किया था। सलीम झंकार देश के सभी बड़े शहरों में क़वाली की प्रस्तुति दे चुके हैं। जिसमें दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बंगलुरु, नागपुर, हैदराबाद, इन्दौर, अजमेर, भोपाल जैसे नाम शामिल हैं। आप दूरदर्शन / आकाशवाणी पर 1990 से लगातार प्रस्तुतियाँ देते आ रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन समीना अली द्वारा किया जाएगा। डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी कला प्रेमियों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।









11 फरवरी 2023, गोदावरी





મૌસીકો

شام موسيقی

11 ફરવરી 2023, ભોપાલ

દુશ્રી ઉપા જાગુર

ગ્રંથ, મધ્યપ્રદેશ વાર્ષિક  
સંસ્કૃત/પાઠીનું તારીખનાલ એંબર્ચ રિમાન









موسیقی

शाम-ए-मोस्तीकوئے

11 فروری 2023، مولانا













